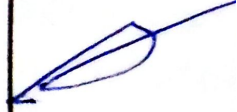


श्री ७७/१५ पत्रावली राजपुत्र लॉड कदामर शिबि चौगपुर  
 में प्रयुक्त हुयी कठोर प्रथा न निरद्वेष प्रथित है  
 कृपया वय कानून तमीन अनु रहे हं इतने  
 जव कानून कायमा (नर) हान कानून प्रथि  
 की कठोर जू मानन हिय व पत्रावली में  
 उपरोक्त कानूनो का उपरोक्त हिय मय  
 जमा कही होवे २०७१-७० जका न १० वन  
 १०२२, १०२३, १०२५ हिय उ कुल कुल ३५३ हं के चौगपुर  
 शिमि चौगपुर की शुरु प्रथक उरु कथित  
 लिखन, छोड़, रमय, शुरु जि बीसा काठ वरु  
 बीसा है कथि १/६ वरु हुन है इत प्रथम प्रथि के  
 पिर शुरु का हिय वरु है प्रथि अपन हिय  
 श्री उद्योग का वरु है अत प्रथम प्रथम इत  
 प्रथम व उद्योग को हुन प्रथम प्रथि है पर  
 में है वरु प्रथम नरु वरु है प्रथम प्रथि  
 प्रथि का हिय) कतः अथिगत को वरु  
 वरु अथिगत लिखन के वरु हिय जव  
 है कि विनयि कानूनी ख. नं. १०२२ व १०२५  
 हिय उ कुल कुल ३५३ हं के अत चौगपुर  
 तमीन कानूनो की अथिगत. १ के हिय  
 उरु शिबि की अथिगत वरु रहे। शिबि  
 प्रथम शुरु हिय नरु है कत हिय वरु  
 के सनन ही



उपखण्ड अधिकारी, दातारामगढ